Baba’s Praise

28/2/2015

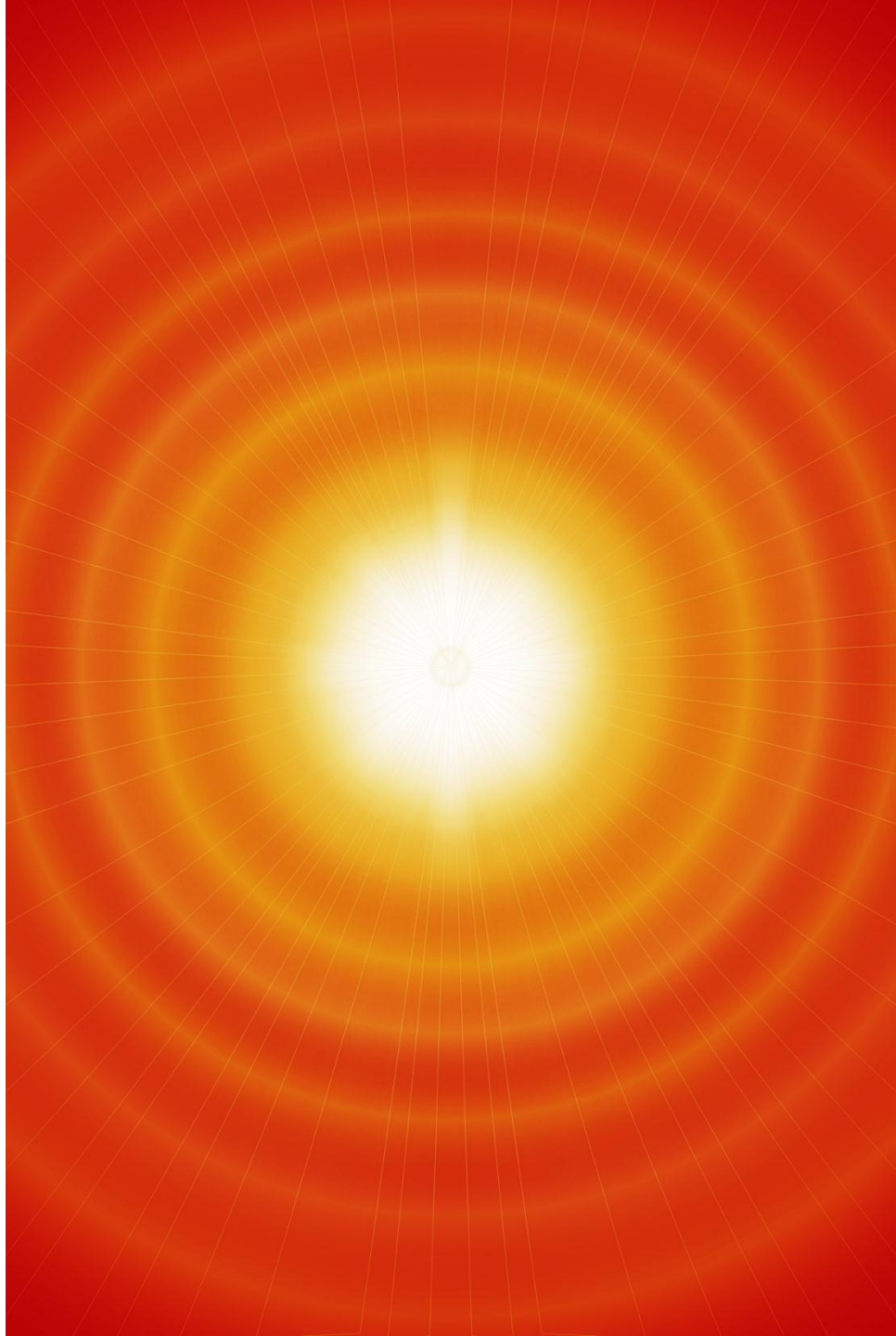

- वह बाप भी है, **शिक्षक** भी है और सुप्रीम सतगुरू भी है ।

- बाप द्वारा निश्चय हो जाता है-हम बाप का हूँ, बाप ही सद्गति का रास्ता बता रहे हैं इसलिए वह सतगुरू भी है ।

- तो बेहद का बाप जो तुमको वर्सा देते हैं, उनकी कितनी ग्लानि करते हैं ।

- भल बाप नॉलेजफुल हैं परन्तु आत्मा कोई बड़ी नहीं हो सकती ।

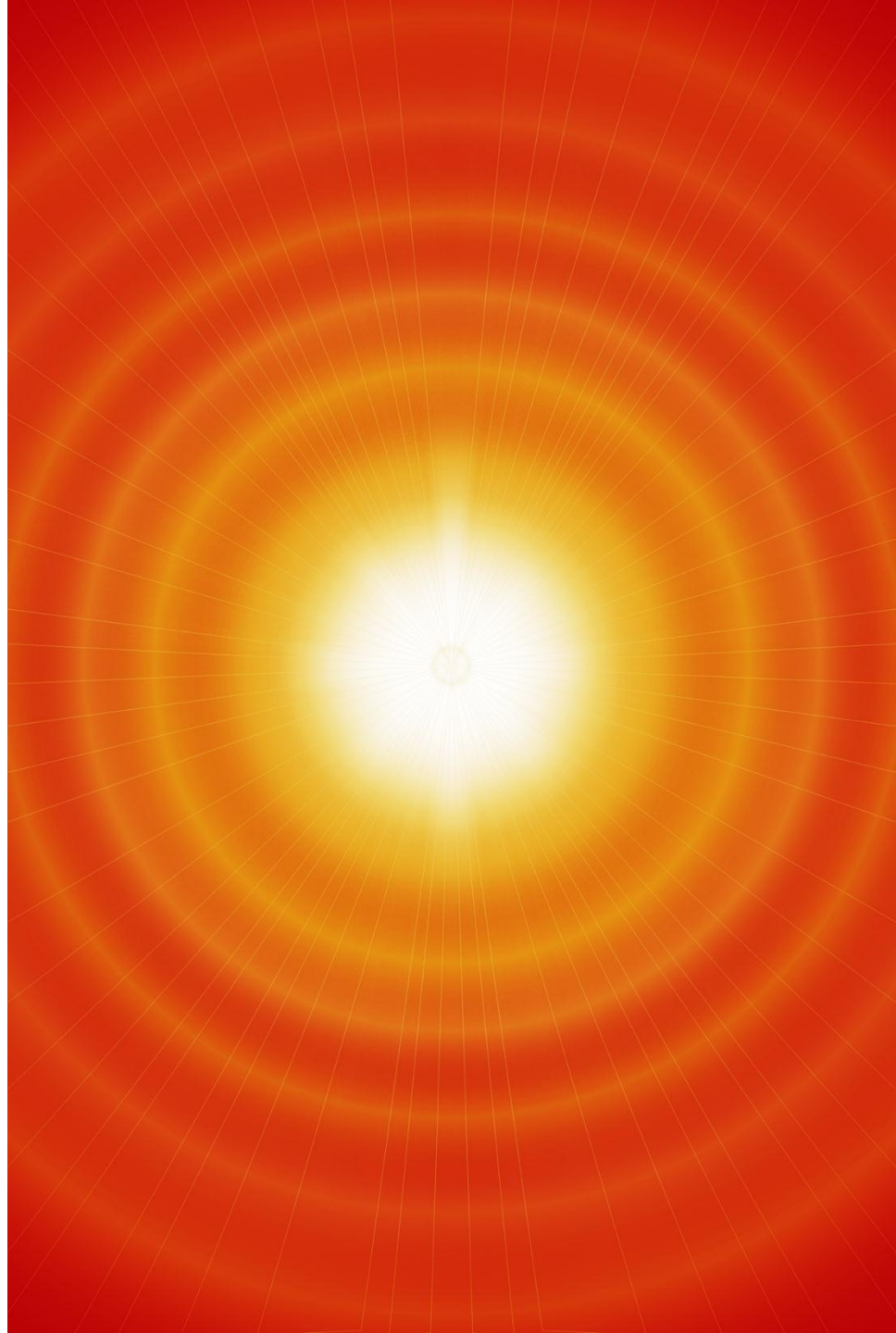

- इस गीता पाठशाला में स्वयं भगवान राजयोग सिखलाते हैं । कलियुग को बदलकर सतयुग जरूर बनना है ।

- बाप कहते हैं हम कल्प-कल्प सगमयुगे आता हूँ, और कोई थोड़ेही कह सकते कि हम सृष्टि के आदि-मध्य- अन्त का ज्ञान सुनाने आया हूँ ।

- शिवबाबा तो आते ही हैं पढ़ाने लिए, सहज राजयोग सिखाने लिए ।

- क्रियेटर ब्रह्मा को नहीं कहा जाता । वह फिर गॉड फादर है ।

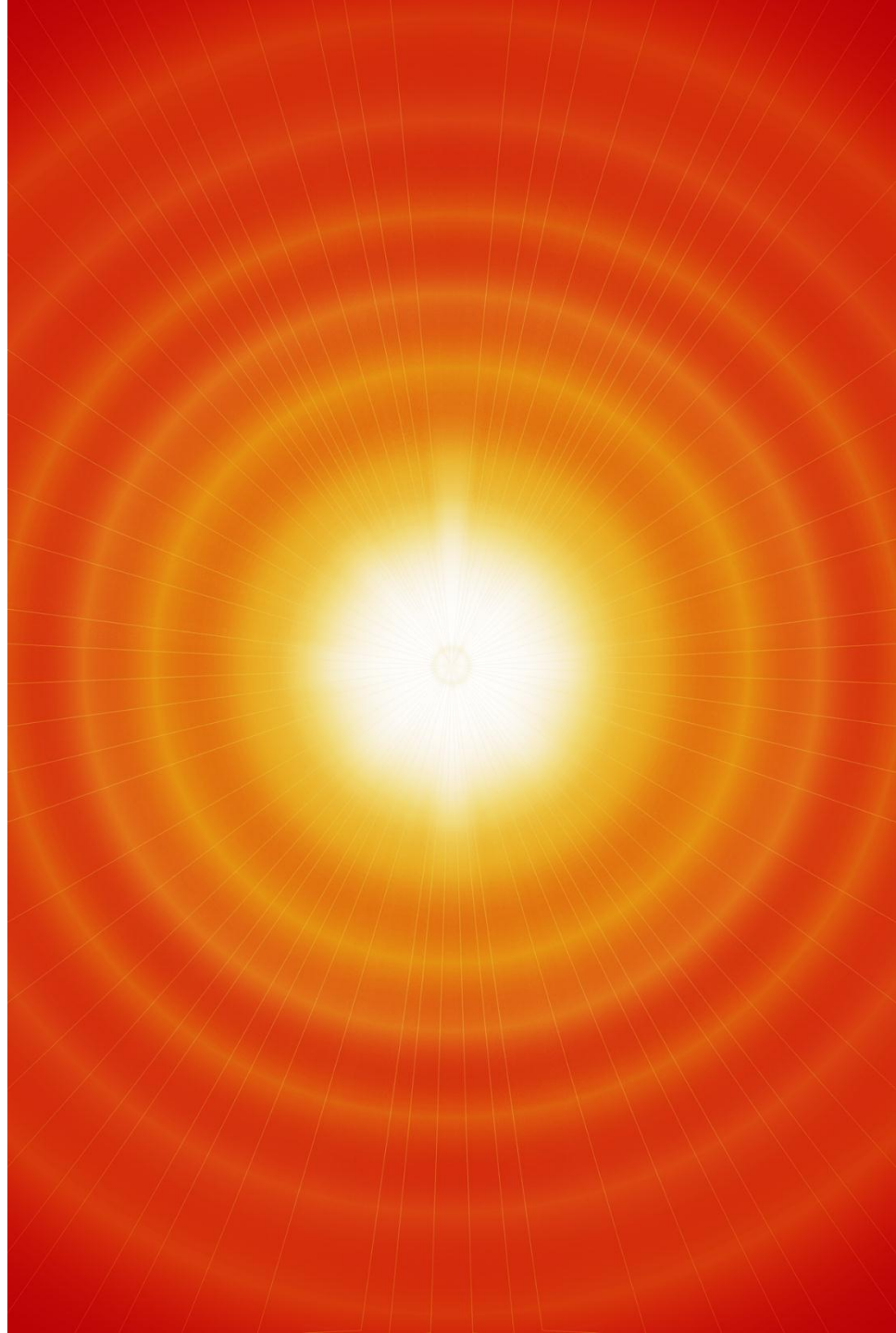

- बाद में बैठ गायन करते हैं । सर्व का सद्गति दाता, सर्व का लिबरेटर, पतित-पावन एक बाप गाया हुआ है, उनको याद करते हैं कि हे गॉड फादर रहम करो । फादर एक होता है ।यह है सारे वर्ल्ड का फादर । मनुष्यों को पता नहीं है कि सर्व दु:खों से लिबरेट करने वाला कौन है?

- तो दूरदेश, निराकार देश से मुसाफिर आते हैं ।

- बाबा रूप भी है तो बसन्त भी है । तेजोमय बिन्दी रूप है । उनमें ज्ञान भी है । नाम-रूप से न्यारा तो है नहीं । उनका रूप क्या है, यह दुनिया नहीं जानती ।

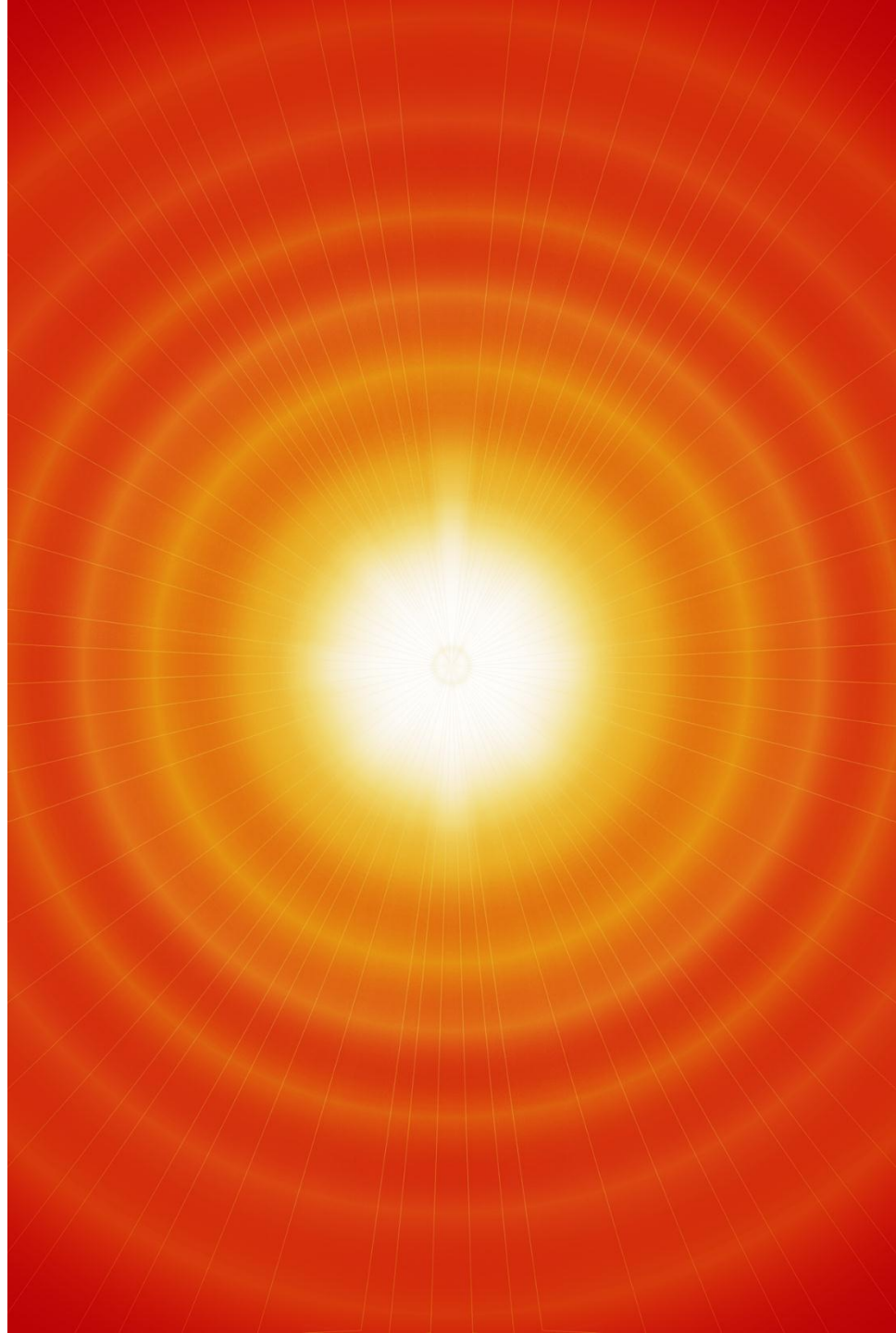

- बाप तुमको समझाते हैं, मुझे भी आत्मा कहते हैं सिर्फ सुप्रीम आत्मा । परम आत्मा सो मिलकर हो जाता परमात्मा । बाप भी है, टीचर भी है । कहते भी हैं नॉलेजफुल । वह समझते हैं नॉलेजफुल अर्थात् सबके दिलों को जानने वाला है ।

- बाप ज्ञान और भक्ति का कॉन्ट्रास्ट बैठ बताते हैं- पहले है ज्ञान दिन सतयुग-त्रेता, फिर है द्वापर-कलियुग रात । ज्ञान से सद्गति होती है ।

- बाप ही सच सुनाने वाला है । आत्मा को बाबा की स्मृति आई है इसलिए हम बाप को याद करते हैं कि आकर सच्ची-सच्ची कथा सुनाओ नर से नारायण बनने की । यह तुमको सत्य नारायण की कथा सुनाता हूँ ना ।

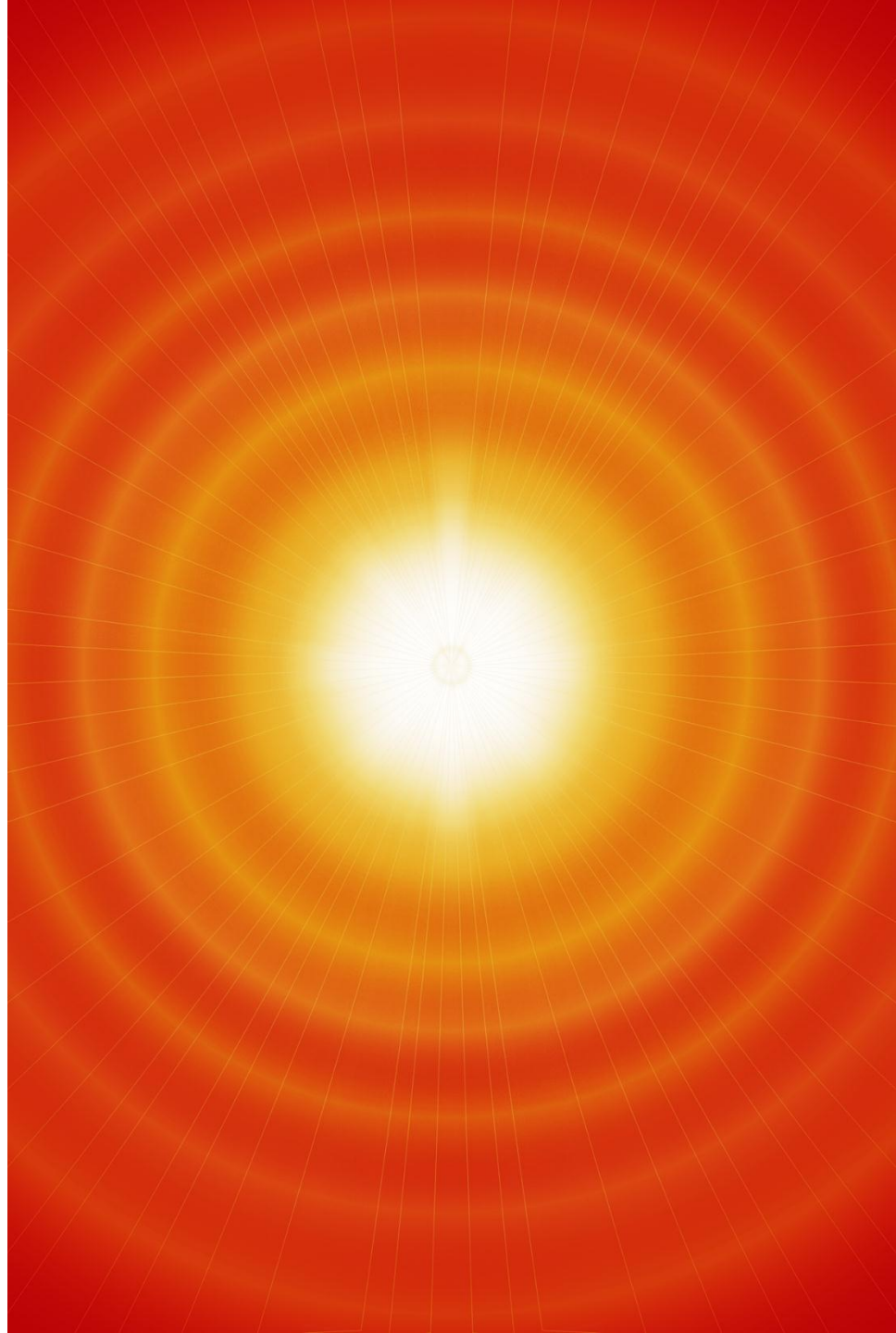

- बाप ही आकर स्वर्ग का मालिक बनाते हैं ।

- बाप राजयोग सिखला रहे हैं । वर्सा बाप से मिलता है । मांगते भी बाप से हैं । कोई को धन जास्ती होगा, बच्चा होगा, कहेंगे भगवान ने दिया । तो भगवान एक हुआ ना फिर सबमें भगवान कैसे हो सकता?

- अब बाप समान उपकारी बन, पुकार सुनकर अपने फरिश्ते रूप द्वारा उन आत्माओं के पास पहुंच जाओ और समस्याओं से थकी हुई आत्माओं की थकावट उतारो ।